वार्षिक परीक्षा, 2018-19

हिन्दी (केन्द्रिक)

अवधि - 3 घंटे **कक्षा - ग्यारहवीं** **पूर्णांक - 100**

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 16.02.2019 (शनिवार)

निर्देश -

- **इस प्रश्न-पत्र के तीन खंड क, ख एवं ग हैं ।**
- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**
- **प्रश्नोत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या एवं उपभाग अंकित करना न भूलें ।**
- **यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।**

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (4)

भूमि पड़ी थी जो बंजर-सी, युगों उपेक्षित ऊँची-नीची
किसने किया इसे समतल है, गई स्वेद से है ये सींची
हरे-भरे ये खेत आज हैं, किस मस्ती में हँसते जाने
कल भर देंगे खलिहानों की राशि-राशि में स्वर्णिम दाने
''किसने काया पलट भूमि की कर दी ?'' - सुनकर प्रश्न हमारा ।
आगे बढ़ा, कृषक यों बोला - ''मेरे श्रम ने, मेरे श्रम ने ।''
कहर ढहाने वाली नदियाँ रोकीं किसने, बाँध बनाए
जहाँ कभी था दलदल, किसने आज वहाँ पर महल उठाए ?
दुर्गम वन, दुर्लंघ्य शिखर पर किसने साधन सुलभ बनाए
भूमि-गर्भ की अतुल राशि से किसने साधन सुलभ बनाए
''किसने इतना विभव दिया है जग को ?'' सुनकर प्रश्न सगौरव ।
बढ़ मजदूर नम्र हो बोला - ''मेरे श्रम ने, मेरे श्रम ने ।।''
ये मशीन, ये रेलें-इंजन, इन्हें बनाया किसने बोलो
जीवन में सुविधा के साधन भला सँजोए किसने बोलो
तरह-तरह के वाहन सारे छोटी-छोटी चीजें सारी
दी किसने जन-जन को, जो है श्रमहारी सुखकारी ।

क) 'गई स्वेद से है यह सींची' का अर्थ लिखिए ।

ख) खेतों के हरा-भरा होने का कारण स्पष्ट कीजिए ।

ग) 'इतना विभव दिया है जग को' का आशय बताइए ।

घ) काव्यांश में किनका महत्त्व वर्णित है ?

प्र.2 निम्नलिखित गद्य खंड के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मधुर वचन वह रसायन है जो पारस की भांति लोहे को भी सोना बना देता है । मनुष्यों की तो बात ही क्या, पशु-पक्षी भी उसके वश में हो, उसके साथ मित्रवत् व्यवहार करने लगते हैं । व्यक्ति का मधुर व्यवहार पाषाण-हृदयों को भी पिघला देता है । कहा भी गया है 'तुलसी मीठे वचन ते, सुख उपजत चहुँ ओर ।'

निस्सन्देह मीठे वचन औषधि की भाँति श्रोता के मन की व्यथा, उसकी पीड़ा व वेदना को हर लेते हैं । मीठे वचन सभी को प्रिय लगते हैं । कभी-कभी किसी मृदुभाषी के मधुर वचन घोर निराशा में डूबे व्यक्ति को आशा की किरण दिखा उसे उबार लेते हैं, उसमें जीवन-संचार कर देते हें, उसे सांत्वना और सहयोग दे कर यह आश्वासन देते हैं कि वह व्यक्ति अकेला व असहाय नहीं, अपितु सारा समाज उसका अपना है, उसके सुख-दुख का साथी है । किसी ने सच कहा है - 'मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर' ।

मधुर वचन श्रोता को ही नहीं, बोलने वाले को भी शांति और सुख देता है । बोलने वाले के मन का अहंकार और दंभ सहज की विनष्ट हो जाता है । उसका मन स्वच्छ और निर्मल बन जाता है । वह अपनी विनम्रता, शिष्टता एवं सदाचार से समाज में यश, प्रतिष्ठा और मान-सम्मान को प्राप्त करता है । उसके कार्यों से उसे ही नहीं, समाज को भी गौरव और यश प्राप्त होता है और समाज का अभ्युत्थान होता है । इसके अभाव में समाज पारस्परिक कलह, ईर्ष्या-द्वेष, वैमनस्य आदि का घर बन जाता है । जिस समाज में सौहार्द्र नहीं, सहानुभूति नहीं, किसी दुखी मन के लिए सांत्वना का भाव नहीं, वह समाज कैसा ? वह तो नरक है ।

क) मधुन वचन निराशा में डूबे व्यक्ति की सहायता कैसे करते हैं ? **(2)**

ख) मधुर वचन को 'औषधि' की संज्ञा क्यों दी गई है ? स्पष्ट कीजिए । **(2)**

ग) मधुर वचन बोलने वाले को क्या लाभ देते हैं ? **(2)**

घ) समाज के अभ्युत्थान में मधुर वचन अपनी भूमिका कैसे निभाते हैं ? **(2)**

ड.) मधुर वचन की तुलना पारस से क्यों की गई है ? **(1)**

च) लेखक ने कैसे समाज को नरक कहा है ? **(2)**

छ) उपर्युक्त गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

खण्ड - ख

प्र.3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए - **(5)**

क) स्वास्थ्य ही सच्चा धन

ख) गाँवों से पलायन

ग) विद्यार्थी और शिष्टाचार

घ) महानगरीय जीवन शैली

प्र.4 किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर विचार व्यक्त कीजिए । **(5)**

अथवा

अपने निकटस्थ थानाध्यक्ष को पत्र लिखकर आपके क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ाने का अनुरोध कीजिए ।

प्र.5 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पुस्तक के आधार पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए - **(1×4=4)**

क) समाचार की परिभाषा लिखिए।

ख) मुद्रित माध्यम की दो कमियाँ बताइए।

ग) डायरी लेखन में क्या सावधानी बरतनी चाहिए ?

घ) संचार प्रक्रिया में फीडबैक क्या है ?

प्र.6 **'उजड़ते गाँव-आबाद होते नगर'** विषय पर आलेख लेखन कीजिए। **(3)**

अथवा

अपने विद्यालय में संपन्न हुए **पुस्तक-मेले** पर संक्षिप्त रिपोर्ट बनाइए।

प्र.7 **'फास्ट फूड संस्कृति' अथवा 'वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ'** विषय पर फ़ीचर लिखिए। **(3)**

खण्ड - ग

प्र.8 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **(2×3=6)**

घर में विधवा रही पतोहू, खैर, पैर की जूती, जोरू

लछमी थी, यद्यपि पति घातिन, न सही एक, दूसरी आती,

पकड़ मँगाया कोतवाल ने, पर जवान लड़के की सुध कर

डूब कुएँ में मरी एक दिन। साँप लोटते, फटती छाती।

क) पत्नी के विषय में किसके तथा कैसे विचारों की अभिव्यक्ति हुई है ?

ख) किसान को सबसे ज़्यादा याद किसकी आती थी और क्यों ?

ग) काव्यांश में नारी के प्रति कैसे भाव व्यक्त किए गए हैं ?

अथवा

कहाँ तो तय था चिरागां हरेक घर के लिए, यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है,

कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए। चलो यहाँ से चलें और उम्र भर के लिए।

क) आज़ादी के बाद क्या 'तय' किया गया था ?

ख) कवि ने किस विरोधाभासी स्थिति के बारे में बताया है ?

ग) काव्यांश से कवि का कैसा दृष्टिकोण झलकता है ? क्यों ?

प्र.9 **निम्नलिखित कविता के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(2×2=4)**

अँसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बेलि बोयी दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी

अब त बेलि फैलि गयी, आणंद-फल होयी भगत देखि राजी हुई, जगत देखि रोयी

दूध की मथनिया बड़े प्रेम से विलोयी दासि मीरा लाल गिरधर ! तारो अब मोही।

क) काव्यांश में रूपक अलंकार को स्पष्ट कीजिए।

ख) काव्यांश की भाषा-शैली पर प्रकाश डालते हुए भक्ति रस के अभिव्यक्ति की चर्चा कीजिए।

अथवा

हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओ मुझसे भीख
और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ अपना घर पूरी तरह
झोली फैलाऊँ और न मिले भीख

कोई हाथ बढ़ाए कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि मैं झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे ।

क) प्रस्तुत काव्यांश में निहित उपमा अलंकार को समझाइए ।

ख) काव्यांश की भाषा शैली पर विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र.10 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(3×2=6)**

क) कवि अपनी वर्तमान स्थिति के बारे में झूठ क्यों बोलना चाहता है ? 'घर की याद' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए ।

ख) 'आओ मिलकर बचाएं' कविता के आधार पर आदिवासी समाज की कमियाँ बताइए ।

ग) कवि चंपा को पढ़ाई के लिए प्रेरित करने हेतु क्या तर्क देता है ?

प्र.11 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(2×3=6)**

अक्सर जब मैं एक जलसे से दूसरे जलसे में जाता होता और इस तरह चक्कर काटता रहता होता था, तो इन जलसों में मैं अपने सुनने वालों से अपने इस हिन्दुस्तान या भारत की चर्चा करता । भारत एक संस्कृत शब्द है और इस जाति के परंपरागत संस्थापक के नाम से निकला हुआ है । मैं शहरों में ऐसा बहुत कम करता, क्योंकि वहाँ के सुनने वाले कुछ ज़्यादा सयाने थे और उन्हें दूसरे ही किस्म की गिज़ा की ज़रूरत थी । लेकिन किसानों से, जिनका नज़रिया महदूद था, मैं इस बड़े देश की चर्चा करता, जिसकी आज़ादी के लिए हम लोग कोशिश कर रहे थे और बताता कि किस तरह देश का एक हिस्सा दूसरे से जुदा होते हुए भी हिन्दुस्तान एक था । मैं उन मसलों का ज़िक्र करता, जो उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक, किसानों के लिए यक-सां थे, और स्वराज्य का भी ज़िक्र करता, जो थोड़े लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के फ़ायदे के लिए हो सकता था ।

क) 'भारत' शब्द के बारे में लेखक क्या कहना चाहता है ?

ख) लेखक ने शहरी लोगों को ज़्यादा सयाना क्यों कहा है ?

ग) नेहरू जी गाँववासियों से किन बातों की चर्चा किया करते थे ?

प्र.12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क) 'गलता लोहा' कहानी में वर्णित सामाजिक परिस्थितियों को उद्घाटित कीजिए । **(3)**

ख) किसानों की कौन-सी समस्याएँ पूरे भारत में एक समान हैं ? 'भारतमाता' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **(3)**

ग) 'रजनी' नाठ की नायिका स्त्री वर्ग के लिए प्रेरणा की स्रोत है ? तर्क देकर कथन की पुष्टि कीजिए । **(3)**

घ) 'स्पीति में बारिश' पाठ में किस **माने मंत्र** की चर्चा की गई है ? **(1)**

प्र.13 'राजस्थान की रजत बूँदें' पाठ के आधार पर कुईं और कुएँ की भिन्नता स्पष्ट कीजिए । **(4)**

प्र.14 क) 'आलो आंधारि' पाठ किन सामाजिक समस्याओं को उद्घाटित करता है ? विस्तार पूर्वक लिखिए । **(4)**

ख) 'भारतीय ..... लता मंगेशकर' पाठ के आलोक में लता के गायन की सभी विशेषताएँ लिखिए । **(4)**

✡ **श्रवण तथा वाचन कौशल , परियोजना कार्य ।** **(10)**